डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

जनवरी 2023 खण्ड 35 अंक 01

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

ISSN: 0971-4405

डीआरडीओ द्वारा आकाश आयुध प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) के एएचएसपी प्रक्षेपास्त्र प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन संस्थान को सौंपे गए

प्रकाशन का 35वां वर्ष

मुख्य संपादक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक: अलका बंसल
प्रबंध संपादक: अजय कुमार
संपादकीय सहायक: धर्म वीर

डीआरडीओ समाचार के ई-संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम)
		श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		श्रीमती रश्मि राय चौहान, योजना एवं समन्वय निदेशालय (डीपी एण्ड सी)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		डॉ डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव-ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमरानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

घटनाक्रम 5

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 11

अवसंरचना विकास 19

कार्मिक समाचार 21

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 22

वेबसाइट : https://www.drdo.gov.in/samachar

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :

director.desidoc@gov.in

दूरभाष : 011-23902403, 23902434

फैक्स : 011-23819151

डीआरडीओ द्वारा आकाश आयुध प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) के एएचएसपी प्रक्षेपास्त्र प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन संस्थान को सौंपे गए

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा 03 दिसंबर, 2022 को हैदराबाद में आयोजित किए गए एक समारोह में आकाश आयुध प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) के अथॉरिटी होल्डिंग सील्ड पेपर्स (एएचएसपी) प्रक्षेपास्त्र प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन एजेंसी (एमएसक्यूएए) को सौंपे गए हैं। यह हस्तांतरण समारोह आकाश आयुध प्रणाली को अभिकल्पित तथा विकसित करने में नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करने वाली डीआरडीओ की अधीनवर्ती रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) के परिसर में आयोजित किया गया था। एएचएसपी हस्तांतरण समारोह के दौरान प्रोजेक्ट आकाश द्वारा आकाश आयुध प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) से संबंधित तकनीकी विनिर्देश, गुणवत्ता दस्तावेज एवं संपूर्ण आयुध प्रणाली संघटकों की ड्राइंग को सील करके प्रक्षेपास्त्र प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन एजेंसी को सौंपा गया।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने इस एएचएसपी हस्तांतरण को एक ऐतिहासिक घटना बताते हुए डीआरडीओ, भारतीय सेना व उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एएचएसपी हस्तांतरण रक्षा सेवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में अत्यधिक उपयोगी सिद्ध होगा।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने प्रोजेक्ट आकाश टीम को मिसाइल समूह की प्रयोगशाला द्वारा एमएसक्यूएए को मिसाइल तथा मल्टीपल ग्राउंड सिस्टम से युक्त ऐसी जटिल प्रणाली के इस पहले एएचएसपी हस्तांतरण के लिए बधाई दी। आपने कहा कि यह हस्तांतरण प्रक्रिया वर्तमान में उत्पादन के अधीन स्थित भावी मिसाइल प्रणालियों के लिए रोडमैप तैयार करेगी।

आकाश स्वदेश में विकसित की गई अत्याधुनिक तथा जमीन से हवा में मार करने वाली पहली मिसाइल प्रणाली है जो लगभग एक दशक से सशस्त्र बलों के साथ भारतीय हवाई सीमा की चौकसी तथा राष्ट्र की सुरक्षा कर रही है।

डीआरडीएल के अतिरिक्त डीआरडीओ की कई अन्य प्रयोगशालाएं भी इस रक्षा प्रणाली के विकास में शामिल हैं। इनमें अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई), इलेक्ट्रॉनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स), एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (एआरडीई), उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) तथा वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (वीआरडीई) के नाम उल्लेखनीय हैं। प्रणाली के उत्पादन का कार्य भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी), टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल), इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यमों एवं अन्य रक्षा उद्योग भागीदारों के साथ मिल कर किया जाता है।

इस समारोह में डॉ बी एच वी एस एन मूर्ति, महानिदेशक–एमएसएस; श्री संजय चावला, महानिदेशक–एक्यूए; श्री जी ए श्रीनिवास मूर्ति, निदेशक, डीआरडीएल; ब्रिगेडियर ओ पी सिंह, परियोजना निदेशक–एमएसक्यूएए; कमोडोर एस मिश्रा, सीएमडी, बीडीएल; श्री बी पी श्रीवास्तव, सीएमडी–बीईएल; श्री अजीत चौधरी, परियोजना निदेशक–आकाश तथा श्री नरेंद्र काले, परियोजना निदेशक–आकाश प्राइम भी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस समारोह

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई) ने 15 नवंबर 2022 को अपना तीसरा स्थापना दिवस समारोह अत्यधिक भव्य रूप में आयोजित किया। डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई ने इस अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए संस्थान द्वारा प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों एवं विभिन्न चालू परियोजना क्रियाकलापों के संबंध में हुई प्रगति पर प्रकाश डाला तथा साथ ही डीजीआरई की आगामी परियोजनाओं एवं विभिन्न प्रचालनात्मक क्रियाकलापों तथा डीजीआरई द्वारा अपने नए उपयोगकर्ताओं अर्थात भारतीय नौसेना (डीएपीएसए), 16 जे एंड के राइफल्स (भारतीय सेना), हिमालय पर्वतारोहण संस्थान (एचएमआई), आसूचना ब्यूरो, गृह मंत्रालय, आरईसी विद्युत विकास निगम लिमिटेड (आरईसी पीडीसीएल), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) तथा उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून के लिए प्रस्तुत समाधान के बारे में जानकारी दी। आपने डीआरडीओ तथा राष्ट्र की भविष्य की प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए अनुसंधान एवं विकासात्मक क्रियाकलापों को करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर संस्थान के मेधावी कर्मचारियों को डीआरडीओ पुरस्कार तथा 25 साल की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

विभिन्न खेलों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें डीजीआरई के कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। श्री पी एस नेगी, ए डी, अध्यक्ष, स्थापना दिवस समिति ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

डीजीआरई, चंडीगढ़ में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद ने 19 नवंबर 2022 को अपना 61वां वार्षिक दिवस समारोह मनाया। श्री एन श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीएलआरएल ने डीएलआरएल के वार्षिक क्रियाकलापों तथा उपलब्धियों से अवगत कराया। डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ईसीएस) ने मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह की शोभा बढ़ाई तथा परियोजनाओं की सफलता के लिए नवीनता एवं अभिप्रेरणा की महत्ता का उल्लेख किया। आपने जोर देकर कहा कि ऐसा तभी हो सकता है जबकि सशस्त्र बलों द्वारा सैन्य अभियानों के दौरान सामने आई कठिनाइयों एवं जरूरतों को समझा जाए। यह उल्लेख करते हुए कि डीएलआरएल पहले से ही सशस्त्र बलों द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विभिन्न आयातित प्रणालियों के स्थान पर स्वदेशी प्रणालियों को विकसित करने के कार्य में जुटा है, आपने यह इच्छा व्यक्त की कि डीएलआरएल अपने क्रियाकलापों को इतना उन्नत बनाए कि वह कतिपय उप–प्रणालियों को आयात करने के बजाय ईडब्ल्यू पेलोड और सिस्टम का निर्यातक बन सके। मुख्य अतिथि

डीएलआरएल, हैदराबाद में स्थापना दिवस समारोह के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ईसीएस)

द्वारा प्रयोगशाला की उपलब्धियों और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में एक गुब्बारा छोड़ा गया।

इस समारोह में डीएलआरएल के कर्मचारियों के अतिरिक्त उपस्थित हुए अन्य प्रमुख व्यक्तियों में डीएलआरएल के पूर्व निदेशकगण तथा पूर्व महानिदेशक (ईसीएस), महाप्रबंधक बीईएल, महाप्रबंधक ईसीआईएल, आईएफए तथा हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की अधीनवर्ती प्रयोगशालाओं के निदेशकों के नाम उल्लेखनीय हैं।

समारोह के आरंभ में 3 से 11 नवंबर 2022 के दौरान खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें इनडोर और आउटडोर खेल खेले गए। वर्क्स समिति के अध्यक्ष द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। डीएलआरएल के दोनों कर्मचारी यूनियनों, 'एआईडीईएफ' तथा 'कार्मिक संघ' के पदाधिकारियों ने डीएलआरएल में कार्यरत जिन कर्मचारियों की मृत्यु हो चुकी है उनके आश्रितों को मानवीय आधार पर मदद करने की आवश्यकता तथा तकनीकी/अनुसचिवीय/प्रशासनिक कर्मचारियों की पदोन्नति से संबंधित समस्याओं के बारे में बात की।

यह केंद्रीय आयोजन समिति और उपसमितियों द्वारा आयोजित किया गया एक खुशनुमा तथा सफल कार्यक्रम था जिसने सभी कर्मचारियों को काम पर नए उत्साह के साथ आने के लिए एक बार फिर से प्रेरणा दी गई।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 21 नवंबर 2022 को अपनी हीरक जयंती और प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया। कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के उपकुलपति प्रो रमेश चंद्र डेका समारोह के मुख्य अतिथि तथा असम के सोनितपुर जिले के जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सी बी गोगोई समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इनके अतिरिक्त शिक्षा जगत से कई प्रतिष्ठित विद्वानों, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ देव व्रत कंबोज, निदेशक, डीआरएल ने 61वां प्रयोगशाला स्थापना दिवस व्याख्यान दिया तथा डॉ वनलालमुका, वैज्ञानिक ने डीआरएल द्वारा विगत 60 वर्षों के दौरान प्राप्त की गई विभिन्न उपलब्धियों से समारोह को अवगत कराया। डीआरएल से सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति ने इसे और अधिक विशिष्ट बना दिया। डीआरएल के विगत छह दशकों के गौरवपूर्ण अतीत को समेटे हुए एक कॉफी टेबल बुक तथा इस विकास यात्रा के दौरान विकसित की गई प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों को दर्शाने वाले एक वीडियो वृत्तचित्र का विमोचन किया गया।

वर्ष भर चले हीरक जयंती समारोह के हिस्से के रूप में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न भू–स्थलीय इलाकों में सशस्त्र बलों की संग्राम दक्षता में वृद्धि करने के लिए जीवन सहायक प्रौद्योगिकियों को विकसित करने से संबंधित अवधारणा विषय पर स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता, विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता, उद्यमिता विकास विषय पर व्याख्यान तथा तवांग में डीआरडीओ किसान–जवान–विज्ञान मेलों का आयोजन आदि। हीरक जयंती वर्ष के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

डीआरएल, तेजपुर में प्रयोगशाला स्थापना दिवस समारोह के दौरान कॉफी टेबल बुक का विमोचन

प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए 11वां राष्ट्रीय पेट्रोरसायन पुरस्कार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डॉ डी रत्न, वैज्ञानिक 'एफ', श्री वी एस मिश्रा, तकनीकी अधिकारी 'बी' और श्री रमाकांत कुशवाहा, तकनीकी अधिकारी 'बी' को नौसेना द्वारा प्रयोग में लाए जाने के लिए फाइबर पुनर्बलित पॉलिमर (एफआरपी) सम्मिश्र बॉल वाल्व विकसित करने में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार हेतु 11वें राष्ट्रीय

पेट्रोरसायन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ये वाल्व संक्षारण मुक्त एवं तीन गुना हल्के होते हैं तथा इन्हें पारंपरिक धातु के वाल्वों की तुलना में बहुत आसानी से संचालित किया जा सकता है। ये वाल्व न केवल वजन में हल्के होते हैं, बल्कि इन वाल्वों को प्रयोग में लाए जाने से प्रतिकूल समुद्री वातावरण के कारण धातु से बने वाल्वों को प्रयोग में लाए जाने की स्थिति में संक्षारण के कारण उनके नियमित प्रतिस्थापन/रखरखाव पर भारतीय नौसेना द्वारा किए जा रहे भारी खर्च को भी बचाया जा सकता है। यह पुरस्कार माननीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा द्वारा 27 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

माननीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री भगवंत खुबा से पुरस्कार प्राप्त करते हुए डॉ डी रत्न, वैज्ञानिक 'एफ' तथा उनकी टीम

सीएएस, हैदराबाद में डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

उन्नत प्रणाली केंद्र (सीएएस), हैदराबाद ने डॉ अवुल पाकिर जैनुलब्दीन (ए पी जे) अब्दुल कलाम की 91वीं जयंती मनाई। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और डीआरडीओ प्रमुख का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वरम में हुआ था। आप बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न व्यक्ति थे और आपने शिक्षक, वैज्ञानिक, लेखक एवं अपने व्याख्यानों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाले एक अत्यधिक अनुभवी वक्ता जैसी कई भूमिकाओं का दक्षतापूर्वक निर्वहन किया। आपने विज्ञान, रक्षा एवं स्वास्थ्य सहित अनेक क्षेत्रों में भारत के विकास में अत्यधिक योगदान किया है। आप ऐसे कई पुस्तकों के सम्मानित लेखक भी हैं जिनकी विश्व भर में मुक्त कंठ से प्रशंसा की जाती है। आप भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाने जाते हैं तथा आपको विशेष रूप से बैलिस्टिक मिसाइलों एवं प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास में किए गए योगदान के लिए जाना जाता है।

श्री बी वी पापाराव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, सीएएस ने डॉ कलाम को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके साथ काम करने के अपने अनुभव को उपस्थित जनों के साथ साझा किया। आपने बताया कि जब वह

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) से वैज्ञानिक 'बी' के रूप में जुड़े थे तब डॉ कलाम वहां प्रयोगशाला निदेशक थे और हमेशा युवा वैज्ञानिकों के साथ काफी घुल मिल कर बातचीत करते थे तथा उन्हें एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) के लिए नई तथा उन्नत प्रणोदन प्रणाली विकसित करने के लिए प्रेरित करते थे। आपने डॉ कलाम की कुछ उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जिनमें इसरो में पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएलवी) का विकास, जिसे आम तौर पर देश की सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि के रूप में जाना जाता है, पोखरण–II परमाणु ऊर्जा परीक्षण जिससे भारत इस क्षमता से युक्त विश्व के कुछ चुनिंदा राष्ट्रों की सूची में शामिल हो गया, डीआरडीओ में अग्नि तथा पृथ्वी श्रृंखला की स्वदेशी निर्देशित मिसाइलों का विकास, महंगे कोरोनरी स्टेंट का खर्च वहन नहीं कर सकने वाले लोगों के जीवन को बचाने के लिए 'कलाम–राजू–स्टेंट' नाम से सस्ते कोरोनरी स्टेंट का निर्माण आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। डॉ कलाम को पद्म भूषण और पद्म विभूषण सहित कई अन्य सम्मानों के साथ–साथ भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से विभूषित किया गया है।

आईआरडीई में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने भ्रष्टाचार के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर 2022 से 6 नवंबर 2022 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह प्रति वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन (31 अक्टूबर) वाले सप्ताह के दौरान मनाया जाता है। इस वर्ष के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य विषय 'भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इसे भ्रष्टाचार मुक्त करना' था। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन की शुरुआत आईआरडीई के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ लेने के साथ हुई। इस अवसर पर 31 अक्टूबर 2022 को देहरादून के पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) श्री धीरेंद्र गुनियाल द्वारा एक व्याख्यान दिया गया।

यूसीसी सेंटेनियल विस्टा में एनपीओएल की भागीदारी

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने केरल के प्रतिष्ठित संस्थान, यूनियन क्रिश्चियन कॉलेज, अलुवा के शताब्दी समारोह के अवसर पर 7–12 नवंबर 2022 के दौरान आयोजित 'यूसीसी सेंटेनियल विस्टा' में भाग लिया। इस समारोह में लगाई गई मनोरम झांकियों में एनपीओएल द्वारा स्थापित रक्षा पवेलियन समारोह को देखने आए केरल के गणमान्य व्यक्तियों, कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों तथा आम जनता सहित सभी व्यक्तियो के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

एनपीओएल के पवेलियन में हेलीकॉप्टर वाहित सोनार, समुद्री पोत वाहित सोनार, पनडुब्बी सोनार के मॉडल तथा नवीनतम सोनोबॉय के संघटकों को प्रदर्शित किया गया था तथा डिजिटल

मीडिया एवं सुपरग्राफिक्स के प्रयोग द्वारा उन्नत तथा स्वदेश में विकसित की गई सोनार प्रणालियों की मौलिक संकल्पनाओं से लेकर इनकी समुन्नत विशेषताएं पैविलियन में आए व्यक्तियों के समक्ष प्रदर्शित की गई। श्रव्य–दृश्य प्रस्तुतिकरण में भी एनपीओएल द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों को संक्षेप में प्रदर्शित किया गया था। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के अनेक उद्योगों के अतिरिक्त इसरो, मैसर्स कोचीन शिपयार्ड, भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, केरल पुलिस, आदि के पवेलियन भी थे। इस 6–दिवसीय कार्यक्रम को देखने के लिए काफी अधिक संख्या में लोग आए जिनकी संख्या अनुमानतः दो लाख से भी अधिक थी। एनपीओएल के पवेलियन ने प्रिंट और विजुअल मीडिया दोनों का पर्याप्त ध्यान आकर्षित किया।

विश्व गुणवत्ता सप्ताह-2022 का आयोजन

एसीईएम, नासिक

एडवांस सेंटर फॉर एनर्जेटिक मैटेरियल्स (एसीईएम), नासिक में 7–11 नवंबर 2022 के दौरान विश्व गुणवत्ता सप्ताह–2022 मनाया गया। विश्व गुणवत्ता सप्ताह का इस वर्ष के लिए निर्धारित किया गया मुख्य विषय था 'गुणवत्ता विवेकः सही काम करना'। समारोह के एक हिस्से के रूप में नारा लेखन तथा सुझाव लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। मुख्य कार्यक्रम 9 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया। श्री टी वी जगदीश्वर राव, महाप्रबंधक, एसीईएम ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशकों तथा एसीईएम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। महाप्रबंधक ने 'अनुसंधान एवं विकास परियोजना प्रबंधन में गुणवत्ता' विषय पर एक अत्यधिक सारगर्भित व्याख्यान दिया। आपने अपने व्याख्यान में अनुसंधान एवं विकास से संबंधित परियोजनाओं के प्रबंधन में गुणवत्ता के महत्व पर बल दिया तथा सभी हितधारकों से गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के लिए सदैव प्रयासरत रहने का अनुरोध किया। संयुक्त निदेशक श्री आर एस पाटिल तथा श्री संदीप कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया एवं रॉकेट मोटर प्रक्रमण के दौरान गुणवत्ता के महत्व तथा प्रासंगिकता के बारे में बात की। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबंधक, एसीईएम द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री रविशंकर, वैज्ञानिक 'ई' (प्रमुख आर एंड क्यूए) तथा आपकी टीम द्वारा किया गया।

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) में 7–11 नवंबर 2022 के दौरान विश्व गुणवत्ता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य विज्ञान विषयक क्रियाकलापों में जुटे संगठनों में विशेष रूप से डीजीआरई के संदर्भ में विभिन्न गुणवत्ता मानकों एवं विश्वसनीयता पहलुओं के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना था। सप्ताह के दौरान किए गए विभिन्न क्रियाकलापों में गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा तकनीकी समूह के सदस्यों के बीच टेबल टॉप जागरूकता उत्पन्न की गई कि कैसे अनुसंधान एवं विकास की संस्कृति एवं चेतना किसी भी संगठन को निर्णय लेने तथा हितधारकों के लिए सही काम करने में मदद कर सकती है। इस अवसर पर 'वैज्ञानिक संगठनों में गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता का महत्व' तथा 'हिमधाव एवं भूस्खलन का पूर्वानुमान लगाने में

गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता पहलु' विषय पर तकनीकी निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इन सभी कार्यक्रमों में रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई) के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विजेताओं को डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। श्री दिनेश यादव, वैज्ञानिक 'ई' को वर्ष 2022 के लिए 'सर्वश्रेष्ठ आर एंड क्यू प्रबंधक' के रूप में चुना गया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता आश्वासन निदेशालय (डीआर एंड क्यूए) के श्री विवेक सक्सेना, एडी तथा उनकी टीम द्वारा किया गया था।

डीएसपी, हैदराबाद

विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी), हैदराबाद में 25 नवंबर 2022 को विश्व गुणवत्ता दिवस समारोह आयोजित किया गया। डॉ ए स्वर्ण बाई, समूह प्रमुख, क्यूआरजी ने समारोह में उपस्थित जनों का स्वागत भाषण के साथ स्वागत किया। डॉ पी एस आर श्रीनिवास शास्त्री, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीएसपी ने अपने

व्याख्यान के दौरान अंतरिक्ष परियोजनाओं में गुणवत्ता के महत्व पर बल दिया तथा श्रोताओं को त्रुटि रहित एवं पहली बार ही सही दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री एच आर नागेंद्र, पूर्व उप निदेशक, यूआरराव उपग्रह केंद्र (यूआरएससी), इसरो ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा 'अंतरिक्ष प्रणाली संतुलन परंपरा एवं रुझान के लिए गुणवत्ता प्रबंधन' विषय पर उद्घाटन भाषण दिया।

समाारोह के सम्मानीय अतिथि कमाण्डर मयंक पाठक, कार्यवाहक एडीजी, एसएसक्यूएजी ने 'एमएसएस क्लस्टर में गुणवत्ता आश्वासन को प्रयोग में लाए जाने के संबंध में अनुभव' विषय पर व्याख्यान दिया तथा श्री सी वी एस साई प्रसाद, वैज्ञानिक 'एच' तथा निदेशक, एसक्यूआर, महानिदेशक (एमएसएस) का कार्यालय ने 'डीआरडीओ गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता नीति संबंधी दिशानिर्देश' विषय पर व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, पोस्टर प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, उद्धरण/नारा लेखन प्रतियोगिता, वर्ग पहेली प्रतियोगिता, कविता पाठ आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम का समापन श्रीमती बी रुक्मिणी, समूह प्रमुख, एसक्यूएजी, डीएसपी द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून में 7–11 नवंबर 2022 के दौरान विश्व गुणवत्ता सप्ताह मनाया गया। उद्घाटन समारोह 7 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने अपने व्याख्यान में समारोह में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए

आईआरडीई में गुणवत्ता प्रबंधन को समग्र रूप में अपनाने पर बल दिया। सप्ताह के दौरान गुणवत्ता आश्वासन विषय पर विभिन्न व्याख्यानों का भी आयोजन किया गया। श्री विशाल गर्ग, संयुक्त निदेशक, सुरक्षा निदेशालय, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा 'डीआरडीओ गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता नीति दिशानिर्देश एवं कार्यान्वयन' विषय पर एक परिचयात्मक व्याख्यान दिया गया।

श्री अमित कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई ने 'विफलता रिपोर्टिंग, विश्लेषण एवं सुधारात्मक कार्रवाई प्रणाली (एफआरएसीएएस) तथा विफलताओं से प्राप्त शिक्षा' विषय पर एक व्याख्यान दिया तथा श्री बृज किशोर, वैज्ञानिक 'एफ', आईआरडीई ने अपने व्याख्यान में 'गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता के लिए निरीक्षण तथा जांच' विषय पर अपनी बात रखी। श्री बिनोद कुमार, वैज्ञानिक 'ई', आईआरडीई तथा श्री बिजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'डी', आईआरडीई ने क्रमशः 'सॉफ्टवेयर गुणवत्ता' तथा 'लिडार प्रौद्योगिकी में गुणवत्ता पहलू' विषय पर व्याख्यान दिए। गुणवत्ता सप्ताह के दौरान गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ सुधीर खरे, समूह निदेशक, आर एंड क्यूए ने गुणवत्ता सप्ताह के समापन दिवस पर सप्ताह के दौरान आयोजित की गईं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 7–11 नवंबर 2022 के दौरान विश्व गुणवत्ता सप्ताह मनाया। एनएमआरएल के कर्मचारियों के बीच गुणवत्ता संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 7 नवंबर 2022 को 'गुणवत्ता आश्वासन' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। श्री सी वी एस साई प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक एसक्यूआर, एमएसएस क्लस्टर ने 'मिशन आश्वासन' विषय पर एक प्रस्तुति दी।

व्याख्यान में गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे कि गुणवत्ता की लागत, गुणवत्ता प्रणाली, उत्पाद एवं प्रक्रिया नियंत्रण, निरंतर सुधार, गुणवत्ता विधि तथा उपकरण एवं जोखिम प्रबंधन विषयों को शामिल किया गया। व्याख्यान में कुछ मामला अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्ष का उल्लेख करते हुए विफलता विश्लेषण पर भी चर्चा की गई। व्याख्यान के दौरान श्रोताओं में तकनीकी विभागों के प्रमुख वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी तथा एनएमआरएल के कर्मचारी उपस्थित थे।

डीआरडीएल में प्रशिक्षण कार्यक्रम

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली एवं रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद ने हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं के लिए 'डीआरडीओ ई–पुस्तकालय का उपयोग करके ई–संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना तथा उच्च गुणवत्ता पूर्ण शोधपत्रों का लेखन' विषय पर 25 नवंबर 2022 को रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) में संयुक्त रूप से एक अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय के लिए डेसीडॉक द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधनों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा वैज्ञानिकों को डीआरडीओ के ई–लाइब्रेरी पोर्टल के माध्यम से इन ई–संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रेरित करना, वैज्ञानिक समुदाय के बीच डीआरडीओ प्रकाशनों को लोकप्रिय बनाना तथा उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं में गुणवत्तापूर्ण शोध लेखों के लेखन की विधा से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीआरडीओ की हैदराबाद स्थित विभिन्न प्रयोगशालाओं के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विशेष रूप से पुस्तकालय कर्मियों सहित 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री राजीव कुमार शर्मा, वैज्ञानिक 'ई', डीआरडीएल ने निदेशकों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व के संबंध में बताया। डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक डेसीडॉक ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया तथा डीआरडीओ समुदाय की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने में डेसीडॉक द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं नवोन्मेषी क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर दिए गए अपने व्याख्यान के दौरान आपने डीआरडीएल द्वारा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की मेजबानी स्वीकार करने के लिए निदेशक, डीआरडीएल को अपना हार्दिक धन्यवाद दिया। आपने प्रतिभागियों को विभिन्न ई–संसाधनों एवं इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। श्री जी ए एस मूर्ति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीआरडीएल ने उद्घाटन भाषण दिया। अपने व्याख्यान के दौरान आपने इस बात पर बल दिया कि डेसीडॉक द्वारा उपलब्ध कराए गए ई–संसाधनों और सेवाओं का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए तथा वैज्ञानिक समुदाय को अनुसंधान क्रियाकलापों के लिए ई–संसाधनों का उपयोग करने की सलाह दी। श्री तपेश सिन्हा, वैज्ञानिक 'ई', डेसीडॉक ने इंट्रानेट के साथ–साथ इंटरनेट पर उपलब्ध डेसीडॉक पुस्तकालय सेवाओं के बारे में बताया। आपने डेसीडॉक द्वारा इंट्रानेट पर उपलब्ध अपनी एकल खिड़की सेवाओं के माध्यम से प्रदान की जा रही विभिन्न महत्वपूर्ण सेवाओं के बारा में संक्षेप में बताया। सुश्री राशिका आनंद, ग्राहक सहायता प्रबंधक, आईएचएस जेन्स ने 'जेन्स डिफेंस इक्विपमेंट एंड टेक्नोलॉजी (जेडीईटी)' डेटाबेस तथा जेन्स इयर बुक्स का लाइव डेमो दिखाया, जिसकी पहुंच डेसीडॉक द्वारा विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं को प्रदान की जा रही है।

श्रीमती अलका बंसल, वैज्ञानिक 'एफ' ने डेसीडॉक के विभिन्न प्रकाशनों के बारे में बात की और बताया कि लेखकों द्वारा कैसे अपनी पांडुलिपियों/सामग्रियों को डीआरडीओ की वैज्ञानिक पत्र–पत्रिकाओं में छपने के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है। आपने श्रोताओं को डीआरडीओ पत्र–पत्रिकाओं, ओपन एक्सेस पॉलिसी, समीक्षा प्रक्रिया आदि के स्कोप के बारे में भी बताया। सुश्री विनीता सरोहा, ग्राहक सलाहकार, एल्जेवियर ने स्कोपस डेटाबेस का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्रों को प्रकाशित करने तथा इस डेटाबेस की सहायता से अपेक्षित सामग्री की खोज के तरीके पर एक व्याख्यान दिया।

इस कार्यक्रम के दौरान डेसीडॉक द्वारा प्रकाशित किए जा रहे डीआरडीओ के विभिन्न प्रकाशनों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसे प्रतिभागियों द्वारा बहुत सराहा गया।

समाज तथा साइबर स्पेस में बचाव एवं सुरक्षा विषय पर व्याख्यान

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि की सुरक्षा समिति एवं मानव संसाधन विकास प्रभाग द्वारा 'समाज तथा साइबर स्पेस में बचाव एवं सुरक्षा' विषय पर संयुक्त रूप से दो आमंत्रित व्याख्यानों का आयोजन किया गया जिनमें से एक व्याख्यान कोच्चि के पुलिस उपायुक्त श्री एस शशिधरन, आईपीएस द्वारा तथा दूसरा व्याख्यान कोच्चि के सहायक पुलिस उप निरीक्षक श्री बिनॉय जोसेफ द्वारा दिया गया। इन व्याख्यानों का आयोजन 22 नवंबर 2022 को एनपीओएल परिसर में किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ के अजित कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, एनपीओएल ने की।

श्री ए बाबू, तकनीकी अधिकारी 'ए', सदस्य, एनपीओएल सुरक्षा समिति ने समारोह में उपस्थित जनों का स्वागत किया तथा उनसे वक्ताओं का परिचय कराया। श्री एस शशिधरन, आईपीएस ने समाज में आम तौर पर अपनाई जानेवाली सुरक्षा पहलों तथा 'अपने पड़ोसी को जानने' एवं उनके साथ अच्छे संबंध रखने

की आवश्यकता पर बात की। आपने अपने व्याख्यान के दौरान छात्रों तथा युवा पीढ़ी द्वारा मादक पदार्थों के सेवन की गंभीर समस्या पर विशेष रूप से चर्चा की तथा आपात स्थिति में लोगों की प्राण रक्षा करने के लिए केरल पुलिस द्वारा विकसित किए गए विभिन्न 'ऐप्स' के बारे में बताया एवं सुरक्षित ड्राइविंग की प्रवृत्ति विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री जोसेफ ने 'ऑनलाइन सुरक्षा' विषय पर व्याख्यान दिया तथा डिजिटल फुटप्रिंट, साइबर वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग अटैक आदि के बारे में विस्तार से बताया। आपने एक अच्छा नेटिजन बनने एवं मोबाइल के सतर्क उपयोग की आवश्यकता के बारे में बताया तथा कहा कि साइबरस्पेस को सुरक्षित करने की शुरुआत व्यक्ति के स्तर से ही होती है। सुश्री सिंचु पी, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डिवीजन प्रमुख, एचआरडी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम-2013 पर जागरूकता-सह-संवेदीकरण कार्यक्रम

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम–2013 के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद की आंतरिक शिकायत समिति ने श्री एन श्रीनिवास राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डीएलआरएल के मार्गदर्शन में 6 दिसंबर 2022 को 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम–2013 के संबंध में जागरूकता–सह–संवेदीकरण कार्यक्रम' का आयोजन किया।

समिति की अध्यक्ष डॉ वाई हेमलता, वैज्ञानिक 'जी' ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में कार्यस्थल

श्री ए पी घोष, संयुक्त निदेशक (प्रशासन) अपना व्याख्यान देते हुए

पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम–2013 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए तीन वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम का पहला व्याख्यान श्री ए पी घोष, संयुक्त निदेशक (प्रशासन), डीएलआरएल द्वारा दिया गया। अपने व्याख्यान के दौरान आपने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम के बारे में संक्षेप में चर्चा करते हुए केंद्रीय सिविल सेवा के संदर्भ में इस अधिनियम के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया तथा इस अधिनियम के तहत जारी किए गए दिशानिर्देशों एवं इसके अंतर्गत निर्मित किए गए नियमों पर चर्चा की। दूसरा व्याख्यान डॉ नेहा हेबलकर, वैज्ञानिक 'एफ', पीठासीन अधिकारी–आईसीसी, एआरसीआई, हैदराबाद द्वारा दिया गया। उनके साथ सुश्री प्रिया मैथ्यू, सदस्य सचिव, आईसीसी, एआरसीआई, हैदराबाद भी थीं। डॉ नेहा ने सभी श्रोताओं की प्रतिभागिता के साथ एक अत्यधिक परस्पर संवादात्मक सत्र के माध्यम से यौन उत्पीड़न को ध्यान में रखते हुए जारी किए गए 'क्या करें और क्या न करें' दिशा–निर्देशों के बारे में बताया।

सुश्री प्रिया मैथ्यू के साथ डॉ नेहा हेबलकर, वैज्ञानिक 'एफ', एआरसीआई

अंतिम व्याख्यान श्रीमती मथुकुमल्ली पावनी कल्याण, वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा दिया गया। आपके साथ कनिष्ठ अधिवक्ता सुश्री वांग्मयी भी थीं। श्रीमती पावनी ने यौन उत्पीड़न के संबंध में समाज में व्याप्त व्यावहारिक समस्याओं पर विशेष रूप से चर्चा की तथा कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण अधिनियम के अंतर्गत निर्मित किए गए नियमों पर प्रकाश डालते हुए श्रोताओं के साथ अपने विशाल अनुभव को साझा किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं के साथ पुरुष कर्मचारी भी शामिल हुए थे जिन्होंने वक्ताओं के साथ परस्पर बातचीत करके इस अधिनियम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

रसायन-जैविक प्रतिरक्षा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन

रक्षा अनुसंधान तथा विकास संस्थान (डीआरडीई), ग्वालियर ने 'रसायन–जैविक हमलों से प्रतिरक्षाः भविष्योन्मुख उपकरण एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर 16–18 नवंबर 2022 के दौरान एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (जैव विज्ञान) इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे। इस सम्मेलन के आरंभ में लेफ्टिनेंट जनरल आर एम गुप्ता, वीएसएम, डीसीआईडीएस (एमईडी) तथा लेफ्टिनेंट जनरल आर के मल्होत्रा, डीजीक्यूए ने 16 नवंबर 2022 को उद्घाटन व्याख्यान दिया। सम्मेलन के पूर्ण अधिवेशन को डॉ देबाशीष मोहंती, निदेशक, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), दिल्ली द्वारा संबोधित किया गया। सम्मेलन में सेवा क्षेत्र, उद्योग जगत, शिक्षा जगत तथा डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं से 200 से भी अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन के पहले दिन रक्षा अनुसंधान तथा विकास संस्थान (डीआरडीई) द्वारा विकसित किए गए उत्पादों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें डीआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन पोस्टर सत्र का आयोजन किया गया जिसके दौरान डीआरडीई तथा अन्य सहयोगी प्रयोगशालाओं में रसायन–जैविक हमलों से प्रतिरक्षा के संबंध में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों की झांकी प्रस्तुत की गई। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सभी व्याख्यानों और पोस्टरों के सारांश से युक्त एक सार पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक (जैव विज्ञान) द्वारा हल्के वजन वाले विशिष्ट रासायनिक एजेंट संसूचक (आईसीएडी) तथा लो फ्रीज डीकंटामिनेशन सहित डीआरडीई द्वारा विकसित किए गए नए उत्पादों को लॉन्च किया गया। डीआरडीई द्वारा विकसित किए गए उत्पादों के प्रौद्योगिकी अंतरण (टीओटी) दस्तावेज निदेशक, डीआरडीई द्वारा रियर एडमिरल रंजीत सिंह, निदेशक, डीआईआईटीएम, डीआरडीओ मुख्यालय की उपस्थिति में 11 उद्योगों को सौंपे गए। तकनीकी सत्रों के दौरान व्याख्यान देने के लिए विशेषज्ञों को उद्योग जगत (एल एंड टी डिफेंस, मुंबई; शिव टेक्सार्न लिमिटेड, कोयंबटूर; बीईएल, पुणे), शैक्षणिक संस्थानों (आईआईटी–बीएचयू, वाराणसी; आईआईटी, रुड़की; जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली; राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), दिल्ली; राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, दिल्ली; डीबीटी, दिल्ली; नेशनल अथॉरिटी ऑन केमिकल वेपन कन्वेंशन, दिल्ली; इंडियन केमिकल काउंसिल, मुंबई, तीनों सशस्त्र सेनाओं तथा डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं से आमंत्रित किया गया। डॉ ए के गोयल, वैज्ञानिक

'एफ' एवं आयोजन सचिव ने सम्मेलन के संबंध में परिचयात्मक व्याख्यान दिया। डॉ एम एम परिदा, निदेशक, डीआरडीई ने स्वागत भाषण दिया। डॉ सिंह ने अपने भाषण में रसायन–जैविक हमलों से प्रतिरक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए उद्योग जगत, सेवा क्षेत्र तथा शिक्षा जगत को एक साथ मिलकर काम करने के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ आर वी स्वामी, डॉ के शेखर, डॉ आर विजयराघवन, डॉ एम पी कौशिक, डॉ लोकेंद्र सिंह तथा डॉ डी के दूबे सहित डीआरडीई के सभी पूर्व निदेशकों को रसायन–जैविक हमलों से प्रतिरक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। डॉ एस आई आलम, वैज्ञानिक 'एफ' तथा डॉ एम के मेघवंशी, वैज्ञानिक 'ई' ने सम्मेलन के विभिन्न तकनीकी सत्रों का संचालन किया। डॉ के गणेशन, वैज्ञानिक 'जी' ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

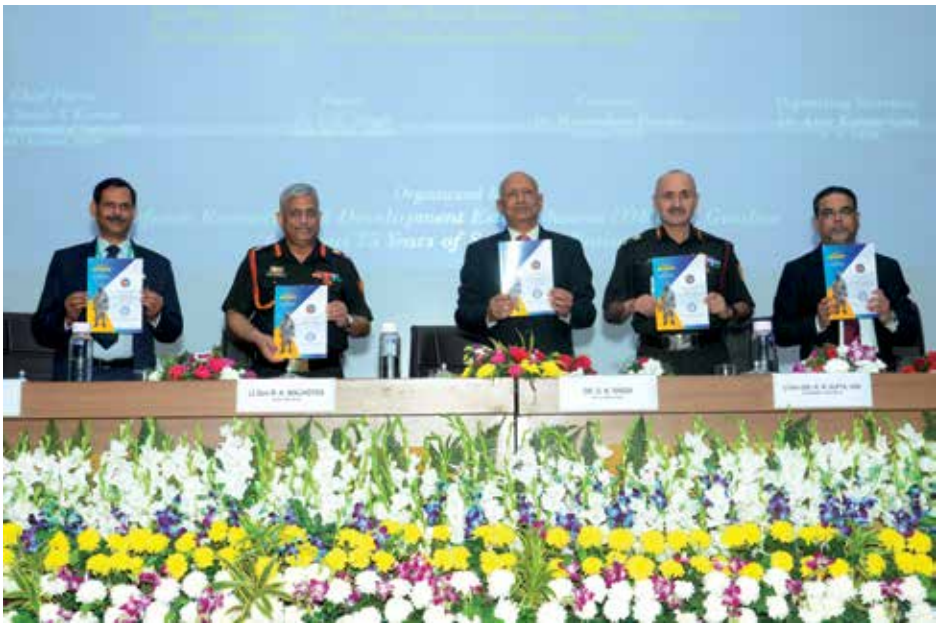

सार पुस्तक का विमोचन करते हुए डॉ यू के सिंह, महानिदेशक (जैव विज्ञान), लेफ्टिनेंट जनरल आर एम गुप्ता, वीएसएम, डीसीआईडीएस, लेफ्टिनेंट जनरल आर के मल्होत्रा, डीजीक्यूए तथा डॉ एम एम परिदा, निदेशक, डीआरडीई

डीआरडीओ एडमिन कॉन्क्लेव

कार्मिक निदेशालय, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा 24–25 नवंबर 2022 के दौरान नाभिकीय औषधि तथा संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में दो दिवसीय डीआरडीओ एडमिन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया तथा इस अवसर पर दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में आपने एक प्रभावी, पारदर्शी, भरोसेमंद एवं मजबूत प्रशासनिक प्रणाली को स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कॉन्क्लेव में डीआरडीओ की 40 से भी अधिक प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के प्रशासनिक प्रमुखों ने भाग लिया। कॉन्क्लेव के पहले दिन 9 सत्र और दूसरे दिन 6 सत्र आयोजित किए गए थे। पहले दिन वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) की स्पैरो प्रणाली का कार्यान्वयन, ई–कॉप, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) तथा शिकायत निवारण, अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित मुद्दे, अदालती मामलों का निपटान, अनुकंपा आधार पर नियुक्ति/चिकित्सा मुद्दे, जेसीएम से संबंधित मामलों का प्रबंधन, सशस्त्र बलों से संबंधित मुद्दे तथा शिक्षुता, डीआरटीसी एवं विशेष आरक्षण प्रकोष्ठ से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई तथा कॉन्क्लेव के दूसरे दिन के सत्र के दौरान एक रक्षा लेखा अधिकारी द्वारा पेंशन सेवाओं के लिए 'स्पर्श' पोर्टल विषय पर एक बहुत ही उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया जिसके पश्चात डीआरडीओ चेयर एवं अध्येता तथा परामर्शदाताओं की समस्याओं, केंद्रीय विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) से संबंधित मुद्दों पर सत्र आयोजित किए गए। मानव संसाधन विकास निदेशालय के निदेशक, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम) तथा डेसीडॉक के निदेशकों ने भी अपने कामकाज के क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों को प्रस्तुत किया और तत्संबंधी चर्चा की।

इस दौरान भर्ती तथा मूल्यांकन केंद्र (आरएसी), मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) तथा कार्मिक निदेशालय (डीओपी) के निदेशकों के साथ दो ओपन हाउस विचार–विमर्श सत्रों का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों की चिंताओं और शंकाओं को दूर किया गया। सम्मेलन का समापन श्री के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एचआर) के समापन भाषण के साथ हुआ जिसमें आपने प्रयोगशालाओं के बेहतर कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशालाओं के प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा डीआरडीओ मुख्यालय के संबंधित निदेशालयों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कैलिबर-२०२२ में डेसीडॉक की भागीदारी

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कैलिबर–2022 के दौरान 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के लिए पुस्तकालयों का प्रारंभिक दृष्टिकोण' विषय पर एक व्याख्यान दिया। सम्मेलन का मुख्य विषय 'भावी पीढ़ी के शैक्षणिक परिदृश्य हेतु पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तन की कल्पना' था। कैलिबर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है जिसका आयोजन सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर द्वारा विश्वविद्यालयों के सहयोग से देश के विभिन्न हिस्सों में किया जाता है। इन सम्मेलनों के दौरान प्रतिभागियों को सम्मेलन द्वारा निर्धारित किए गए विषयों और उप विषयों के संबंध में अनुसंधान तथा तकनीकी कार्यों, विशेष मामला अध्ययन, प्रौद्योगिकीय उन्नयन विषयक अद्यतन स्थिति आदि के संबंध में उच्च कोटि के शोध पत्रों को प्रस्तुत करने का अवसर

प्राप्त होता है। अपने व्याख्यान के दौरान डॉ राव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के संबंध में बातचीत की तथा यह बताया कि यह नई शिक्षा नीति राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–1986) से किस प्रकार भिन्न है। आपने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विशेष रूप से पुस्तकालयों के उत्थान के लिए किए गए विभिन्न उपायों के बारे में बताया। आपने इस बात पर बल दिया कि आने वाले वर्षों में नई शिक्षा नीति से पुस्तकालयों को लाभ होगा और मजबूती मिलेगी। श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक 'एफ', डेसीडॉक ने भी सम्मेलन के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की।

महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण विषय पर व्याख्यान

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव तथा डीआरडीओ के कार्मिक निदेशालय (डीओपी) के निर्देशानुसार कार्यालयों से संबंधित एक महत्वपूर्ण विषय 'महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण' के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 25 नवंबर 2022 को एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस अवसर पर एडवोकेट श्री संजय के चड्ढा ने एक व्याख्यान दिया जिसमें आपने इस विषय पर अपने विशद ज्ञान एवं अनुभव को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। आपने अपने इस व्याख्यान के

दौरान श्रोताओं को महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनयम, 2013 की पृष्ठभूमि, इस विषय पर मौजूद अन्य कानूनों तथा 2013 के अधिनियम के प्रत्येक खंड के बारे में विस्तार से बताया। आपने श्रोताओं को इस अधिनियम के सभी पहलुओं, इसके अंतर्गत किए गए प्रावधानों, महिला कर्मचारियों के अधिकारों, कानून के अनुसार यौन उत्पीड़न का अर्थ तथा इस तरह के अन्य सभी विवरणों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान सभी कर्मचारियों को इस विषय के संबंध में बेहतर ढंग से समझाने के लिए कार्यस्थल से व्यावहारिक उदाहरणों पर भी चर्चा की गई। व्याख्यान के पश्चात एक ओपन हाउस चर्चा आयोजित की गई जिसके दौरान कर्मचारियों ने व्याख्याता के साथ परस्पर संवाद स्थापित करके अपनी शंकाओं को दूर किया तथा अधिनियम की व्यावहारिक प्रयोज्यता पर बेहतर स्पष्टता प्राप्त की।

आरक्षण नीति पर कार्यशाला

डीआरडीओ के कार्मिक निदेशालय (डीओपी) के विशिष्ट आरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा डीआरडीओ मुख्यालय में आरक्षण मामलों पर 03 नवंबर 2022 को एक दिवसीय कार्यशाला/परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला विशेष रूप से दिल्ली स्थित सभी प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों (संपर्क अधिकारियों/वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों/प्रशासनिक अधिकारियों) के साथ परस्पर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इसका उद्घाटन उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एचआर) द्वारा किया गया जिन्होंने इस अवसर पर दिए गए अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर बल दिया कि सभी प्रयोगशालाओं द्वारा आरक्षण नीति का सही अर्थों में पालन किया जाना चाहिए। आपने कार्यशाला आयोजित करने में कार्मिक निदेशालयय/एसआरसी द्वारा की गई पहल की सराहना की तथा इस बात पर बल दिया कि अन्य प्रयोगशालाओं में भी इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए। अपने संबोधन में कार्मिक निदेशालय के निदेशक ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कल्याण संबंधी संसदीय समिति के कामकाज के बारे में बात की तथा सभी प्रयोगशालाओं को इस तरह के दौरों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया। आपने

विभिन्न प्रयोगशालाओं में सभी संबंधितों द्वारा आरक्षण नीति के संबंध में उचित समझ रखने की आवश्यकता पर भी अपनी बात रखी। कार्यशाला में व्याख्याता तथा आरक्षण मामलों के विशेषज्ञ श्री संदीप सिंह, उप निदेशक, डीओपी ने प्रतिभागियों को आरक्षण नीति के मुख्य बिंदुओं को समझाते हुए तथा उनसे आरक्षण रोस्टरों को तैयार करने एवं उसके रखरखाव पर अभ्यास कराकर कार्यशाला का अत्यधिक कुशलतापूर्वक संचालन किया। सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के कुशल संचालन तथा व्याख्याता की दक्षता के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया गया। प्रतिभागियों द्वारा कार्मिक निदेशालय द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की गई तथा कार्यशाला को अत्यधिक ज्ञानवर्धक बताया गया। प्रतिभागियों ने आरक्षण मामलों तथा अन्य विषयों पर भी इस तरह की और भी कार्यशालाओं/संवादात्मक कार्यक्रमों को आयोजित करने का अनुरोध किया। अपर निदेशक, कार्मिक/एसआरसी ने सभी प्रयोगशालाओं को आरक्षण नीति का ठीक से पालन करने तथा आरक्षण से संबंधित अद्यतन आंकड़ों को रखने की आवश्यकता पर बल देने के साथ कार्यशाला के समापन की घोषणा की। अपने समापन भाषण में आपने प्रयोगशालाओं द्वारा डीआरडीओ मुख्यालय के साथ मिलकर काम करने तथा मांगी गई किसी भी जानकारी को समय से अग्रेषित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एमईटी+एचटीएस विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2022

एसएम इंटरनेशनल, इंडिया चैप्टर द्वारा 'पदार्थ अभियांत्रिकी एवं ऊष्मा उपचार से संबंधित प्रौद्योगिकी तथा इस क्षेत्र में हुई प्रगति (एमईटी+एचटीएस)' विषय पर 2–4 नवंबर 2022 के दौरान बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर, गोरेगांव (मुंबई) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा प्रदर्शनी–2022 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में डीआरडीओ की प्रतिभागिता के समन्वय

का उत्तरदायित्व नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ को सौंपा गया था। इस अवसर पर आयोजित की गई प्रदर्शनी के दौरान डीआरडीओ पैवेलियन में एनएमआरएल; रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद; रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर; तथा रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) द्वारा विकसित किए गए विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने 2 नवंबर 2022 को पदार्थ अभियांत्रिकी एवं ऊष्मा उपचार से संबंधित प्रौद्योगिकी तथा इस क्षेत्र में हुई प्रगति (एमईटी+एचटीएस) विषय' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग के सचिव एवं डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत इस आयोजन के मुख्य अतिथि थे।

तीन दिनों तक चली इस प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, उद्यमों, शैक्षणिक संस्थानों, कॉरपोरेट क्षेत्र तथा विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के छात्र बड़ी संख्या में डीआरडीओ के स्टालों को देखने के लिए आए। डीआरडीओ पवेलियन ने सर्वश्रेष्ठ 'उत्पाद प्रदर्शन' का पुरस्कार जीता। इस कार्यक्रम के दौरान 'परिवहन, रक्षा तथा ऊर्जा क्षेत्र में प्रयोग में लाए जाने के लिए उन्नत सामग्री एवं प्रक्रम' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में एनएमआरएल की श्रीमती सोनाली अनभूले, जेआरएफ द्वारा उच्च ताप युक्त बहुलक विद्युत–अपघट्य पदार्थों से निर्मित ईंधन सेल में अनुप्रयोग के लिए बहुलक (2,5–पॉलिबेंजिमिडाज़ोल) के प्रकार्यात्मक गुणों पर पॉलिहेड्रल ओलिगोमेरिक सिलसेक्विओक्सेन (पीओएसएस) के प्रभाव का अध्ययन विषय पर लिखित शोध पत्र को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्रदान किया गया।

ईसा, दिल्ली में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली द्वारा 'रक्षा विश्लेषण में मॉडलिंग तथा अनुकार तकनीक' विषय पर 28 नवंबर 2022 से 2 दिसंबर 2022 के दौरान पांच दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आयोजित किया गया। श्री एस बी तनेजा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, ईसा ने इस सीईपी कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अपना व्याख्यान दिया। यह पाठ्यक्रम डीआरडीएस कर्मियों के लिए तैयार किया गया था जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को रक्षा विश्लेषण से संबंधित समस्याओं के अध्ययन में प्रयुक्त गणितीय तकनीकों से परिचित कराना था। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न समूहों की प्रयोगशालाओं से प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम के दौरान शिक्षा जगत, उद्योग तथा ईसा के विशेषज्ञों ने प्रणाली विश्लेषण तथा अनुप्रयोग, प्रतिरूपण तथा अनुकार दृष्टिकोण, अनुप्रयोगों के साथ अनुकूलन तकनीक एवं अन्य संबंधित अनुसंधान विषयों पर व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी राजभाषा संगोष्ठी-2022

डीआरडीओ दिल्ली क्लस्टर–1 के तहत रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 20–21 दिसंबर 2022 के दौरान दो दिवसीय 'अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठी' का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को मेटकाफ हाउस स्थित प्रयोगशालाओं– कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेपटेम), पद्धति अध्ययन तथा विश्लेषण संस्थान (ईसा), ज्वाइंट साइफर ब्यूरो (जेसीबी), वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी), तथा मुख्य निर्माण अभियंता (आर एंड डी) द्वारा एक साथ मिलकर आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री के एस वाराप्रसाद, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एचआर) एवं दिल्ली विश्वविद्यालय से आमंत्रित माननीय अतिथि प्रोफेसर डॉ विनोद तिवारी द्वारा किया गया। डॉ रवींद्र सिंह, निदेशक, संसदीय कार्य, राजभाषा एवं ओ एंड एम निदेशालय (डीपीएआरओ एंड एम) इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। कार्यक्रम के दौरान डॉ आर अप्पावुराज, अध्यक्ष, सेपटेम; श्री एस बी तनेजा, निदेशक, ईसा; श्री राजू अग्रवाल, निदेशक, जेसीबी; श्रीमती जया शांति, निदेशक, एसएजी; डॉ शैलेश कुमार सिंह, निदेशक, डीएचआरडी तथा डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक, डेसीडॉक भी उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि ने वैज्ञानिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए डीआरडीओ की दिल्ली क्लस्टर–1 की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से इस दो दिवसीय संगोष्ठी को आयोजित करने के लिए डेसीडॉक द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। संगोष्ठी के दौरान रक्षा प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा, रक्षा अनुसंधान, भारत के विकास में विज्ञान की भूमिका, रक्षा में आत्मनिर्भरता तथा मानव संसाधन विकास के मार्ग की चुनौतियों से संबंधित वैज्ञानिक और तकनीकी विषयों पर व्यापक विचार–विमर्श किया गया।

डॉ राव डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के लेखकों की काफी अधिक संख्या में भागीदारी को देखकर अत्यधिक प्रसन्न हुए तथा उनसे हिंदी में अधिकाधिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य की रचना करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। डॉ सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जीवन के हर क्षेत्र में तथा विभिन्न क्रियाकलापों में भी हिन्दी का प्रयोग बढ़ा है। संगोष्ठी में दिए गए अपने व्याख्यान में डॉ तिवारी ने प्रतिभागियों को अपने कार्यस्थलों पर हिंदी का प्रयोग जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सम्मेलन की कार्यवाही 'स्मारिका' तथा हिन्दी पत्रिका 'ज्ञानदीप' का गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विमोचन किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) की सुश्री अर्चना पांडे द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक 'मन गाता है' का भी विमोचन किया गया।

संगोष्ठी के समापन सत्र के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) डॉ गोपेश्वर सिंह ने भी उपस्थित होकर इस समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अपने संबोधन में आपने कहा, "मैं डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय के गहन तकनीकी विषयों की हिंदी प्रस्तुतियों को देखकर अभिभूत हूं।"

संगोष्ठी के दौरान संगोष्ठी के प्रतिपाद्य विषय से संबंधित विभिन्न विषयों पर 82 लेखकों के लगभग 60 शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया। आयोजन समिति की अध्यक्ष श्रीमती अलका बंसल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों एवं संपूर्ण आयोजन टीम को धन्यवाद दिया तथा बधाई दी। कार्यक्रम के आयोजक सचिव श्री विवेक कुमार, वैज्ञानिक 'ई' थे।

एचईएमआरएल में पीसी एंड आईडी विनिर्माण से संबंधित परियोजना का शिलान्यास

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ एस वी कामत ने उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे में प्रारंभिक विस्फोटक एवं विस्फोट की प्रक्रिया प्रारंभ करने वाले उपकरण (पीसी एंड आईडी) की सुविधा स्थापित करने के लिए 19 नवंबर 2022 को डॉ एस वी गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई), डॉ ए पी दास, निदेशक, एचईएमआरएल, श्री जी आई वाधवा, मुख्य अभियंता (सीडब्ल्यू एंड ई), मुख्य निर्माण अभियंता (आर एंड डी) पश्चिम की उपस्थिति में सिविल कार्य की आधारशिला रखी।

निदेशक, एचईएमआरएल ने डीआरडीओ के अध्यक्ष को प्राथमिक विस्फोटक (पीई) परियोजना के बारे में संक्षेप में बताया। पीई पदार्थों को मुख्य रूप से चिंगारी, घर्षण, प्रघात या ऊष्मा द्वारा विस्फोट करने के लिए उपयोग में लाया जाता है तथा ये ऐसे पदार्थ हैं जो अपेक्षाकृत असंवेदनशील विस्फोटकों में विस्फोट की प्रक्रिया को आरंभ कर सकते हैं।

पीई पदार्थों जैसे कि लेड एजाइड, लेड स्टिफनेट, मरकरी फुलमिनेट, एलडीएनआर, आदि जो विगत तथा वर्तमान में प्रयोग में लाए जाते रहे हैं, उन्हें मूल उपकरण विनिर्माताओं (गैर डीआरडीओ विकसित प्रौद्योगिकियों) से प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके आयुध कारखानों द्वारा विनिर्मित किया जाता है।

विगत तीन से चार दशकों के दौरान पारंपरिक एवं उन्नत दोनों श्रेणी के पीई पर कोई महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास कार्य नहीं किया गया है। इन अवरोधों को पार करने के लिए डीआरडीओ को पारंपरिक/उन्नत श्रेणी के पीई के उत्पादन हेतु अनुसंधान एवं विकास के स्तर/प्रायोगिक स्तर पर उत्पादन संयंत्र स्थापित करने की आवश्यकता है ताकि डीआरडीओ द्वारा विकसित सभी युद्ध सामग्रियों के लिए पारंपरिक/उन्नत श्रेणी के पीई उपलब्ध कराए जा सकें तथा साथ ही उद्योगों को भी प्रौद्योगिकी अंतरित की जा सके।

पीई के उत्पादन की इस परियोजना में विस्फोट की प्रक्रिया प्रारंभ करने वाले उपकरणों के विकास के लिए पारंपरिक के साथ–साथ उन्नत किस्म के पीई के भी निर्माण का प्रस्ताव है। इस परियोजना में 100 से 500 ग्राम स्तर तक के पीई के विनिर्माण के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा सुविधा का निर्माण एवं विस्फोट की प्रक्रिया प्रारंभ करने वाले उपकरणों के विनिर्माण तथा उनके परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए एक स्वचालित फिलिंग संयंत्र को स्थापित करना भी शामिल है।

चूंकि पीई घर्षण, संघात एवं चिंगारी के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं, अतः इनके सुरक्षित संश्लेषण की तकनीक बहुत विशिष्ट है एवं आसानी से उपलब्ध नहीं है। इसलिए, पारंपरिक के साथ–साथ उन्नत श्रेणी के पीई के विनिर्माण के लिए प्रस्तावित संयंत्र को स्थापित किया जाना परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बहुत आवश्यक है।

पीई के महत्व को ध्यान में रखते हुए, डॉ कामत ने पीसी एंड आईडी की सुविधा को स्थापित करने के काम में जुटी एचईएमआरएल टीम की सराहना की तथा परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर बल दिया।

बिक्री के लिए नवीनतम डीआरडीओ मोनोग्राफ

इन्फ्रारेड सिग्नेचर, सेंसर और टेक्नोलॉजीज

डॉ कमल नैन चोपड़ा

'इन्फ्रारेड सिग्नेचर, सेंसर और टेक्नोलॉजीज' पर यह मोनोग्राफ एक ऐसा विषय है, जिस पर विशेष रूप से इन्फ्रारेड (आईआर) सिग्नेचर, सेंसर और टेक्नोलॉजी में लगे वैज्ञानिकों के लिए साहित्य की उपलब्धता, विशेष रूप से एक स्थान पर, समय की आवश्यकता है और सामान्य तौर पर शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए। व्यावहारिक रूप से, आईआर स्पेक्ट्रम और सेंसर, आईआर सिग्नेचर, धोखेबाज प्रौद्योगिकियों सहित सभी प्रकार के आईआर सिग्नेचर, सेंसर और प्रौद्योगिकियां–आईआर सिग्नेचर और काउंटरमेशर्स के प्रकार, विश्लेषण और मॉडलिंग, थर्मल और रडार सिग्नेचर प्रबंधन, आईआर सेंसर का निर्माण, डिटेक्टर तकनीक, आदि पर इस मोनोग्राफ में चर्चा की गई है, जिससे यह दुनिया में वैज्ञानिक समुदाय के लिए वास्तव में बहुत उपयोगी है।

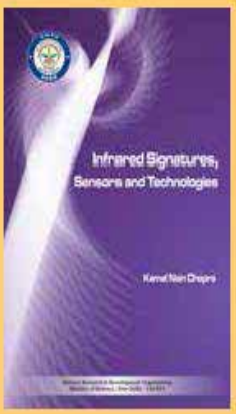

मूल्यः आईएनआर ₹ 1000
युएस $ 25
युके £ 20

लाइफ साइंसेज रिसर्च इन सर्विस ऑफ सोल्जर

प्रो ब्रह्म सिंह

डीआरडीओ मोनोग्राफ, 'लाइफ साइंसेज रिसर्च इन सर्विस ऑफ सोल्जर', प्रोफेसर ब्रह्म सिंह, पद्म श्री, पूर्व निदेशक और अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक, लाइफ साइंसेज, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा संकलित किया गया है। डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं का जीवन विज्ञान समूह मुख्य रूप से मानव (सैनिक) के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर शोध कर रहा है ताकि न केवल जीवन की बेहतर गुणवत्ता और बेहतर युद्ध के प्रदर्शन के लिए लॉजिस्टिक्स में सुधार किया जा सके बल्कि उसे हमेशा फिट मोड में रहने में मदद की जा सके विशेष रुप से कठिन इलाके, प्रतिकूल वातावरण और जमीन (सेना), पानी (नौसेना) और वायु (वायु सेना) और संबद्ध सेवाओं (सीमाओं पर) में। यह मोनोग्राफ डीआरडीओ लाइफ साइंस क्लस्टर की स्थापना से आज तक महत्वपूर्ण शोध और विकास को पाठकों की समझ में आने वाली भाषा में समझाता है।

मूल्यः आईएनआर ₹ 2100
युएस $ 45
युके £ 40

क्रय हेतु संपर्क करें:
निदेशक, डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली-110054
marketing.desidoc@gov.in; 011-23902612

पदोन्नति

डीएमआरएल, हैदराबाद

डॉ जी अप्पा राव को नवंबर 2022 में वैज्ञानिक 'एच' के रूप में पदोन्नत किया गया है। आपने वर्ष 1986 में आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम से धातुकर्म इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि तथा वर्ष 2002 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से धातुकर्म इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। आप वर्ष 1987 में वैज्ञानिक 'बी' के रूप में रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद से जुड़े। आपने शीत समस्थैतिक प्रक्रम (सीआईपी) तथा तप्त समस्थैतिक प्रक्रम (एचआईपी) का प्रयोग करके चूर्ण धातुकर्म प्रक्रिया के माध्यम से व्यापक श्रेणी के उन्नत उच्च ताप सामग्रियों के प्रक्रमण में उल्लेखनीय योगदान दिया। आपने मिसाइलों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सिरेमिक रडार–रडोम बनाने के लिए देश में पहली बार अत्याधुनिक सीआईपी प्रौद्योगिकी की स्थापना की है। डॉ राव को वर्ष का डीआरडीओ वैज्ञानिक पुरस्कार–2018, वर्ष 2005 और वर्ष 2018 में प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार, वर्ष का प्रयोगशाला वैज्ञानिक पुरस्कार–2007, प्रो जी एस तेंदुलकर पुरस्कार–2010, वर्ष 2006 तथा वर्ष 2022 में डीएमआरएल सर्वश्रेष्ठ तकनीकी लेख पुरस्कार तथा वर्ष 1992, वर्ष 1998 एवं वर्ष 2005 में पाउडर मेटलर्जी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से सर्वश्रेष्ठ चूर्ण धातुकर्म उत्पाद पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

डॉ आर बालमुरली कृष्णन को नवंबर 2022 में वैज्ञानिक 'एच' के रूप में पदोन्नत किया गया है। आपने आईआईटी–मद्रास से प्रौद्योगिकी स्नातक तथा कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय (सीएमयू), पिट्सबर्ग, यूएसए से वर्ष 1998 में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय (सीएमयू) में तीन वर्ष के पोस्ट–डॉक्टोरल कार्यकाल के बाद आप वर्ष 2001 में डीएमआरएल, हैदराबाद से वैज्ञानिक 'डी' के रूप में जुड़े।

डॉ बालमुरली कृष्णन को वर्ष 2003 में डी एम आर एल प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार (टीम सदस्य), आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2005 में डीआरडीओ अग्नि पुरस्कार (टीम सदस्य), वर्ष 2010 में भारतीय विज्ञान संस्थान से ह्यूबर्ट आई आरोनसन फैलोशिप, वर्ष 2011 में डीआरडीओ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान हेतु सिलिकॉन पदक, वर्ष 2017 में इस्पात मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय धातुकर्मी दिवस पर वर्ष का धातुकर्मी पुरस्कार, एक अकादमिक संस्थान तथा आर एंड डी प्रयोगशालाओं में शोध कार्य हेतु इंडियन स्टील एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2019 में उत्कृष्ट शोधकर्ता (इस्पात) पुरस्कार तथा वर्ष 2019 में डीएमआरएल प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार (पुरस्कृत टीम का नेता) से सम्मानित किया गया है।

उच्च योग्यता अर्जन

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ से डॉ राजेश कुमार गर्ग, वैज्ञानिक 'जी' को 'बर्फ से ढके क्षेत्रों में पर्यावरण तथा स्वास्थ्य पर निगरानी के लिए ऊर्जा दक्ष वायरलेस सेंसर नेटवर्क प्रणाली (एनर्जी एफिशिएंट वायरलेस सेंसर नेटवर्क सिस्टम फॉर एनवायरनमेंटल एंड हेल्थ मॉनिटरिंग इन स्नो बाउंड रीजन)' विषय पर लिखे गए उनके शोध प्रबंध के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) के इलेक्ट्रॉनिक्स तथा संचार अभियंत्रिकी विभाग द्वारा 5 नवंबर 2022 को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया।

डिपास, दिल्ली

डिपास, दिल्ली से श्री सरोज कुमार वर्मा, तकनीकी अधिकारी 'ए' को 'एक स्वस्थ व्यक्ति द्वारा मध्यम ऊंचाई के क्षेत्रों से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चढ़ाई करने के दौरान उसके लिपिड प्रोफाइल एवं पौषणिक स्तर' विषय पर उनके शोध प्रबंध के लिए भरतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु द्वारा पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान तथा विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु के श्री वेंकट, वैज्ञानिक 'ई' को 13 जुलाई 2022 को बैंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु द्वारा पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह उपाधि उनके द्वारा 'विभिन्न परिसीमा दशाओं का उपयोग करके प्लेटों का कंपन विश्लेषण' विषय पर लिखे गए शोध प्रबंध के लिए प्रदान की गई है। उनके द्वारा किए गए अनुसंधान कार्यों में अनुनाद आयामों, अनुनाद आवृत्तियों, प्रावस्था कोणों एवं अवमंदन कारकों, पृष्ठीय दरार पर कंपन के प्रभाव तथा दरार मापदंडों के आधार पर ऐलुमिनियम प्लेटों के गुणों का अध्ययन करना शामिल है।

पेटेंट

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक तथा समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि के श्री मनोज जी, वैज्ञानिक 'ई' तथा श्रीमती श्रीदेवी के, वैज्ञानिक 'एफ' को 'एक पोर्टेबल अंतर्जलीय प्रतिचित्रण उपकरण तथा उससे संबंधित विधि' के लिए भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा एक पेटेंट संख्या 408598 प्रदान किया गया है।

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम

डीजीआरई, चंडीगढ़

❄ रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने 25 नवंबर 2022 को रक्षा भू सूचना विज्ञान अनुसंधान संस्थान (डीजीआरई), चंडीगढ़ का दौरा किया। संस्थान में डीआरडीओ अध्यक्ष के पधारने पर सबसे पहले डॉ पी के सत्यावली, वैज्ञानिक 'जी' तथा निदेशक, डीजीआरई ने उनका स्वागत किया तथा उन्हें डीजीआरई द्वारा किए जा रहे कार्यों, वी आर सुविधा, उत्पादों एवं मॉडलों को दर्शाने के लिए संस्थान द्वारा लगाई गई स्थायी प्रदर्शनी दिखाई। इस अवसर पर डॉ कामत ने डीजीआरई के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। डीआरडीओ अध्यक्ष को संबंधित टीमों द्वारा डीजीआरई में किए जा रहे ऑपरेशनल क्रियाकलापों, चलाए जा रहे अनुसंधान तथा विकास क्रियाकलापों तथा प्रयोक्ता समूह को उपलब्ध कराई जा रही सहायक सेवाओं के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गई। श्री प्रतीक किशोर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, टीबीआरएल भी इस बैठक के दौरान उपस्थित थे।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत को डीजीआरई द्वारा किए जा रहे विभिन्न क्रियाकलापों के बारे में बताया जा रहा है

❄ डॉ शैलेंद्र वसंत गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई), पुणे ने 2 नवंबर 2022 को डीजीआरई, चंडीगढ़ का दौरा किया। डॉ पी के सत्यावली, निदेशक, डीजीआरई ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई) का स्वागत किया तथा उन्हें डीजीआरई में चलाई जा रही परियोजनाओं, अनुसंधान तथा विकास क्रियाकलापों, ऑपरेशनल क्रियाकलापों, तथा प्रयोक्ता समूह (बीआरओ) को उपलब्ध कराई जा रही सहायक सेवाओं के बारे में संक्षेप में जानकारी दी गई। अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भू–खतरों से अवगत कराने एवं तत्संबंधी आकलन के लिए एक हवाई सर्वेक्षण भी किया गया। डॉ गाडे ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अटल सुरंग के रास्ते डीजीआरई के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, पट्सियो (ऊंचाई 3800 मी) का भी दौरा किया। डीजीआरई ने मनाली से लद्दाख एक्सिस तक सभी मौसम के दौरान कनेक्टिविटी प्रदान करने वाली अटल सुरंग के निर्माण में अभियांत्रिकी नियंत्रित विभिन्न संरचनाओं को स्थापित करने में हिमस्खलन से बचाव के लिए समाधान उपलब्ध कराकर उल्लेखनीय योगदान किया है। महानिदेशक (एसीई) ने मनाली में डीजीआरई द्वारा आयोजित चंडीगढ़ क्लस्टर हिंदी संगोष्ठी (3–4 नवंबर 2022) का भी उद्घाटन किया। आपने डीजीआरई के सभी कर्मचारियों के साथ भी संवाद किया।

डॉ शैलेंद्र वसंत गाडे, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (एसीई), पुणे द्वारा डीजीआरई के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, मनाली का निरीक्षण

आईआरडीई, देहरादून

❄ मेजर जनरल सी एस मान, वीएसएम, एडीजी, एडीबी ने 2 नवंबर 2022 को यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। इस अवसर पर डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने उनका स्वागत किया तथा आईआरडीई द्वारा विकसित किए जा रहे विभिन्न उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। मेजर जनरल मान ने आईआरडीई की हीरक जयंती दीर्घा का निरीक्षण किया तथा टेक्नोलॉजी एरिया, सिस्टम एरिया, डाउन–द–मेमोरी लेन एवं प्रयोगशाला के अद्भुत क्रियाकलापों से अत्यधिक प्रभावित हुए। इन क्रियाकलापों को देखकर वह बहुत प्रसन्न हुए। आपने प्रयोक्ताओं के लिए वैद्युत–प्रकाशीय समाधान प्रदान करने में आईआरडीई द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

❄ थल सेना उप प्रमुख (वीसीओएएस) लेफ्टिनेंट जनरल बग्गावल्ली सोमशेखर राजू, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम ने अपनी टीम के साथ 3 नवंबर 2022 को आईआरडीई, देहरादून का दौरा किया। डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ईसीएस) एवं डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ अजय कुमार ने थल सेना उप प्रमुख को आईआरडीई द्वारा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्र में की जा रही प्रमुख पहलों तथा आईआरडीई द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियों के संबंध में संक्षेप में अवगत कराया। उन्होंने थल सेना उप प्रमुख को आईआरडीई द्वारा विकसित किए गए तथा सशस्त्र बलों द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी। वीसीओएएस लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने अत्याधुनिक प्रणालियों के विकास में आईआरडीई द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आईआरडीई की हीरक जयंती दीर्घा का एक गाइडेड टूर आयोजित किया गया। डॉ दास ने लेफ्टिनेंट जनरल राजू को दीर्घा की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया तथा उन्हें टेक्नोलॉजी एरिया दिखाया जहां भविष्य के रोडमैप तथा प्रणालियों के साथ–साथ सभी प्रौद्योगिकीय

मेजर जनरल सी एस मान को आईआरडीई द्वारा विकसित किए गए उत्पादों के बारे में बताते हुए डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई

लेफ्टिनेंट जनरल बी एस राजू को आईआरडीई की हीरक जयंती दीर्घा दिखाते हुए डॉ बी के दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (ईसीएस)

कार्यक्षेत्रों को प्रदर्शित किया गया है। डॉ दास ने संस्थान के दौरे पर आए अतिथि को सिस्टम एरिया के बारे में भी बताया जहां आई आरडीई द्वारा पूर्व में विकसित किए गए सभी उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल राजू डाउन–द–मेमोरी लेन एवं प्रयोगशाला द्वारा किए जा रहे अद्भुत क्रियाकलापों को देखकर अत्यधिक प्रभावित हुए। आपने 'वॉल ऑफ ऑनर' तथा फ्युचर रोड मैप को भी देखा। आप प्रयोगशाला द्वारा विकसित किए जा रहे उत्पादों एवं प्रणालियों से बेहद खुश थे। लेफ्टिनेंट जनरल राजू ने भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए आईआरडीई द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। आपने प्रयोगशाला को उत्कृष्टता की दिशा में सदैव अग्रसर रहने की शुभकामनाएं दीं।

❄ डॉ मयंक शर्मा, आईडीएएस तथा पीसीडीए (आर एंड डी), नई दिल्ली ने 4 नवंबर 2022 को यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने संस्थान के दौरे पर आए अतिथि का स्वागत किया तथा उन्हें आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ मयंक शर्मा ने इन उत्पादों के सफल विकास के लिए आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। आपने आईआरडीई की हीरक जयंती दीर्घा का निरीक्षण किया तथा दीर्घा में टेक्नोलॉजी एरिया, सिस्टम एरिया, डाउन–द–मेमोरी लेन एवं प्रयोगशाला के अद्भुत क्रियाकलापों को देखकर आप अत्यधिक प्रभावित हुए।

डॉ मयंक शर्मा, पीसीडीए (आर एंड डी) ने आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों में गहरी रूचि दिखाई

❄ नवरत्न का दर्जा प्राप्त रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के निदेशक (आर एंड डी) श्री मनोज जैन ने 9 नवंबर 2022 को आईआरडीई, देहरादून का दौरा किया। डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई ने अतिथि का स्वागत किया तथा उन्हें आईआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को दिखाया। आप आईआरडीई द्वारा वैद्युत प्रकाशीय क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों से अत्यधिक प्रसन्न हुए। जल, थल एवं अंतरिक्ष में आईआरडीई के उत्पादों की मौजूदगी देखकर उन्हें बेहद खुशी हुई। आपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में आईआरडीई के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। आपने भविष्य में बीईएल तथा आईआरडीई के बीच प्रगाढ़ संबंध रखने का वादा किया।

श्री मनोज जैन, निदेशक (आर एंड डी), बीईएल के साथ डॉ अजय कुमार, निदेशक, आईआरडीई तथा अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित